6-4-2019 इन्दौर समाचार

इंडस्ट्री और इंस्टीटयूट दोनों मिल जाए तो म.प्र. में चमक सकती है टैक्सटाइल इंडस्ट्री : कुलपति डॉ. धाकड़

दि टैक्सटाइल एसोसिएशन (ईंडिया) म.प्र. और स्पीनर्स क्लब का संयुक्त आयोजन

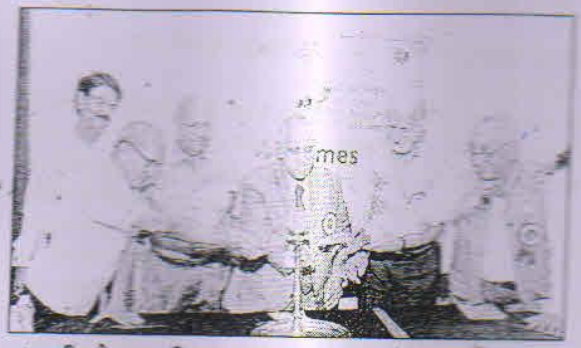

इंडस्ट्री और इंस्टीटयूट दोनों मिल जाए तो म.प्र. में चमक सकती है टैक्सटाइल इंडस्ट्री - कुलपति डॉ. धाकड़

इन्दौर। मध्यप्रदेश में टैक्सटाइल इंडस्ट्री मे विकास की अपार संभावनाएं हैं, बशर्ते यहां के टैक्सटाइल इंडस्ट्री और टैक्सटाइल से जुड़े इंस्टीटयूट दोनो मिलकर के काम करें। शोध का कार्य इंस्टीटयूट करें और उसका समस्याओं को दूर करने का कार्य टैक्सटाइल इंडस्ट्री करें। ये विचार देअविवि के कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़ के हैं जो उन्होंने दि टैक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) म.प्र. और स्पीनर्स क्लब द्वारा आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि बतौर व्यक्त किए। विषय था मध्यप्रदेश में टैक्सटाइल इंडस्ट्री का भविष्य। अध्यक्षता करते हुए वैष्णव विद्यापीठ के प्रमुख श्री पुरुषोत्तम पसारी ने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री में प्रायोगिक अनुभव की आवश्यकता है। विद्यापीठ के वाइस चांसलर डॉ. उपिन्दर धर ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में युवा वर्ग है, जिसका सही उपयोग टैक्सटाइल इंडस्ट्री में होना चाहिए। बोर्ड मेम्बर कमल भुराडिया ने कहा कि शिक्षा संस्थानों को उद्योगों से जोड़ना जरूरी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक वेदा ने कहा कि मध्यप्रदेश में टैक्सटाइल इंडस्ट्री का इतिहास बहुत पुराना है। अवधेश कुमार शर्मा ने कहा कि इंडस्ट्री में हेप्पीनेस की बहुत आवश्यकता है। इस मौके पर अतिथियों ने एसोसिएशन की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया। एम.सी. रावत ने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री को म.प्र. सरकार से काफी आशाएं हैं। कार्यक्रम में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. कमलेश भंडारी, सी.एस. अजीत जैन, सी.एस. संदीप जैन, साईंटिस्ट श्रीनिवास के. राव (न्यूयार्क), श्री राजशेखर पेरी (हैदराबाद), डॉ. सुदर्शन धामिजा (भिवानी), डॉ. संतोष धर (डीन श्री वैष्णव विद्यापीठ), एस.डी. तेली (मुम्बई), वी.के. कोठारी (दिल्ली), डॉ. कुशल सेन (आईआईटी दिल्ली), डॉ. प्रवीण कुमार चौधरी (पश्चिम बंगाल), कमल भुराडिया (इन्दौर), स्टूडेंट चेयरमेन टी.के. सिन्हा, कैलाश अग्रवाल, मनोहर कतरेजा को प्रतीक चिह्न और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। अतिथि स्वागत ऋचा वेदा, अंकित वेदा, डॉ. रजत कुमार बलदेवा, पवन कुमार जैन (चोरडिया), बदरुद्दीन खान, एम.सी. रावत, श्याम बहरानपुरकर, हिमांशु गर्ग ने किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक वेदा ने किया और आभार माना कैलाश अग्रवाल ने।